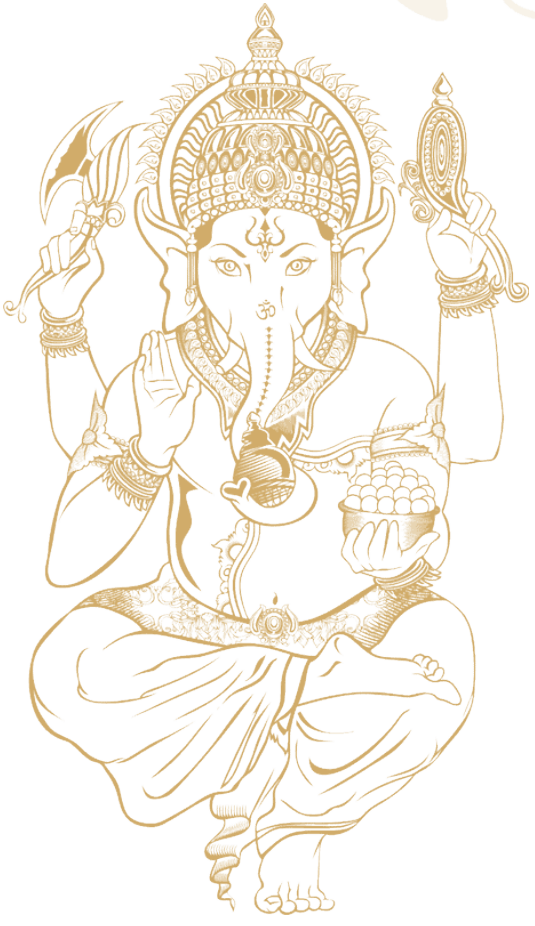

Arav Das

12 May 2016

07:10 AM

Raipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120941104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/05/2016**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:10:00 घंटे**
इष्ट	04:18:30 घटी
स्थान	**Raipur**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:16:00 उत्तर
रेखांश	81:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:06:48 घंटे
वेलान्तर	00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	22:27:51 घंटे
सूर्योदय	05:26:36 घंटे
सूर्यास्त	18:32:49 घंटे
दिनमान	13:06:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	27:41:12 मेष
लग्न के अंश	23:24:08 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	गण्ड
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हे-हेमन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	23:24:08	347:50:58	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	---
सूर्य			मेष	27:41:12	00:57:57	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	08:11:49	13:11:56	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	स्वराशि
मंगल	व	अ	वृश्चि	11:05:21	00:17:28	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	स्वराशि
बुध	व	अ	मेष	23:51:27	00:35:29	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु			सिंह	19:10:51	00:00:28	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र		अ	मेष	20:44:45	01:13:50	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि	व		वृश्चि	20:36:33	00:03:54	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	25:34:30	00:02:59	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:34:30	00:02:59	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मीन	28:08:47	00:03:05	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	---
नेप			कुंभ	17:39:52	00:01:03	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	---
प्लूटो	व		धनु	23:15:52	00:00:40	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	11:02:47	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:04

लग्न-चलित

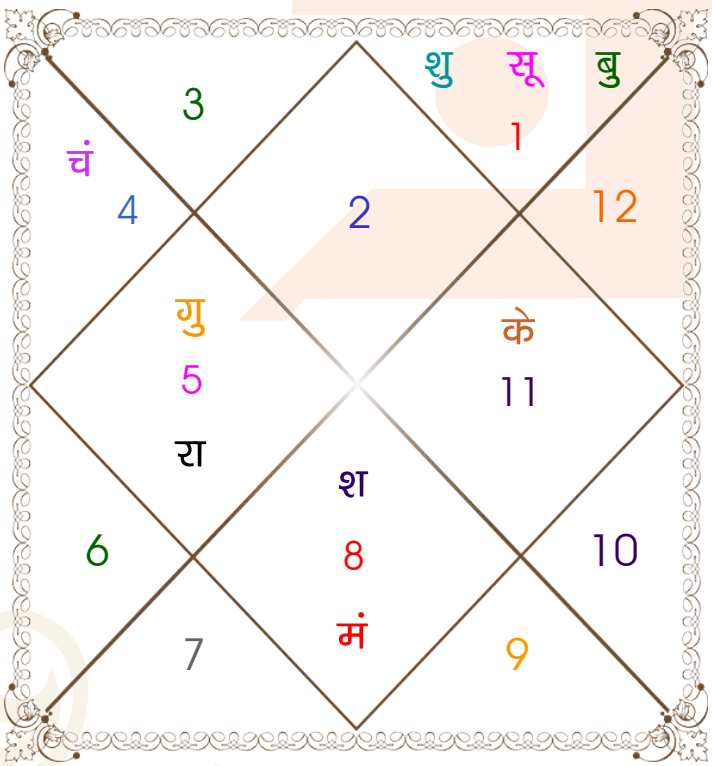

चन्द्र कुंडली

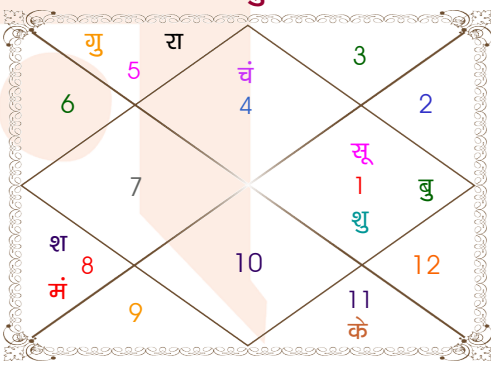

नवमांश कुंडली

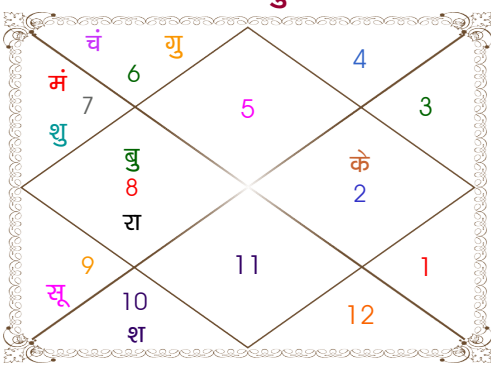

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 0 मास 25 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/05/2016		06/06/2028		06/06/2045		06/06/2052		06/06/2072	
06/06/2028		06/06/2045		06/06/2052		06/06/2072		07/06/2078	
	00/00/0000	बुध	03/11/2030	केतु	02/11/2045	शुक्र	07/10/2055	सूर्य	24/09/2072
	00/00/0000	केतु	31/10/2031	शुक्र	03/01/2047	सूर्य	06/10/2056	चंद्र	25/03/2073
	12/05/2016	शुक्र	31/08/2034	सूर्य	10/05/2047	चंद्र	07/06/2058	मंगल	31/07/2073
शुक्र	29/05/2019	सूर्य	07/07/2035	चंद्र	10/12/2047	मंगल	07/08/2059	राहु	25/06/2074
सूर्य	10/05/2020	चंद्र	06/12/2036	मंगल	07/05/2048	राहु	06/08/2062	गुरु	13/04/2075
चंद्र	09/12/2021	मंगल	03/12/2037	राहु	25/05/2049	गुरु	06/04/2065	शनि	25/03/2076
मंगल	18/01/2023	राहु	21/06/2040	गुरु	01/05/2050	शनि	06/06/2068	बुध	30/01/2077
राहु	24/11/2025	गुरु	27/09/2042	शनि	10/06/2051	बुध	07/04/2071	केतु	06/06/2077
गुरु	06/06/2028	शनि	06/06/2045	बुध	06/06/2052	केतु	06/06/2072	शुक्र	07/06/2078

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
07/06/2078		06/06/2088		07/06/2095		07/06/2113		07/06/2129	
06/06/2088		07/06/2095		07/06/2113		07/06/2129		00/00/0000	
चंद्र	07/04/2079	मंगल	02/11/2088	राहु	17/02/2098	गुरु	27/07/2115	शनि	10/06/2132
मंगल	06/11/2079	राहु	21/11/2089	गुरु	14/07/2100	शनि	06/02/2118	बुध	18/02/2135
राहु	07/05/2081	गुरु	28/10/2090	शनि	21/05/2103	बुध	14/05/2120	केतु	29/03/2136
गुरु	06/09/2082	शनि	06/12/2091	बुध	07/12/2105	केतु	20/04/2121	शुक्र	13/05/2136
शनि	06/04/2084	बुध	03/12/2092	केतु	25/12/2106	शुक्र	20/12/2123		00/00/0000
बुध	06/09/2085	केतु	01/05/2093	शुक्र	25/12/2109	सूर्य	07/10/2124		00/00/0000
केतु	07/04/2086	शुक्र	01/07/2094	सूर्य	19/11/2110	चंद्र	06/02/2126		00/00/0000
शुक्र	06/12/2087	सूर्य	06/11/2094	चंद्र	20/05/2112	मंगल	13/01/2127		00/00/0000
सूर्य	06/06/2088	चंद्र	07/06/2095	मंगल	07/06/2113	राहु	07/06/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 1 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।